बुधवार, 15 जनवरी, 2003

हिन्दुस्तान

दिल्ली, लखनऊ/वाराणसी, पटना और रांची से प्रकाशित

बाटी-चोखा पर भारी पड़ी मक्की दी रोटी

वाराणसी (सं.)। बीएचयू में आयोजित एपीकॉन-2003 में आये प्रतिनिधियों ने मंगलवार को फूड इनक्लेव में मकर संक्रांति और लोहिड़ी का एक साथ आनंद उठाया। देश की विभिन्न संस्कृतियों का प्रतिनिधित्व करने वाले चिकित्सकों ने माना कि दो संस्कृतियों (पंजाब और पूर्वांचल) के दो विशिष्ट पर्वों का आनंद मिलना बनारस में ही संभव है। लंच की व्यवस्था सम्हाल रहे मिलन कैटरर्स ने इस अवसर को विभिन्न व्यंजनों के जरिये यादगार बनाया। मकर-संक्रांति को देखते हुए जहां गजक, चूड़ा, पट्टी और बाटी-चोखा के साथ बादामी खीर और गुलाब जामुन की व्यवस्था थी। स्थानीय परम्परा के अनुसार खिचड़ी का भी स्टॉल लगा था जिसका आनंद लेने वालों में एपीकॉन के पूर्व अध्यक्ष डा. बी. बी. ठाकुर और वर्तमान अध्यक्ष मनतोष पांजा भी शामिल थे। पंजाबी ढाबा पर मक्के की रोटी और सरसों का साग भी उपलब्ध था। वैसे पंजाबी ढाबे पर अधिक भीड़ दिखी। कोलकाता से आये डा. परितोष चटर्जी को बाटी-चोखा पसंद आया तो उनकी पत्नी को मक्के की रोटी।

अमर उजाला
वाराणसी न्यूज़
वाराणसी, बृहस्पतिवार, 16 जनवरी, 2003

समापन समारोह में बोलते मनतोश पांजा। छाया: हिन्दुस्तान

मिलन कैटरर्स को पुरस्कार

एपीकान में जमा पांच हजार से अधिक डाक्टर और उनके संबंधियों को अच्छा भोजन परोसने के लिए वाराणसी के मिलन कैटरर्स को विशेष पुरस्कार से नवाजा गया। सम्मेलन में दिन के खाने की व्यवस्था पांचों दिन मिलन कैटरर्स के जिम्मे था। आयोजकों ने अच्छे भोजन के साथ सुंदर व्यवस्था की सराहना की। एपीकान के आयोजक सचिव डा. श्यामसुंदर ने फर्म के अधिष्ठाता एसके कथूरिया को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

दैनिक जागरण

वाराणसी, सोमवार, 10 फरवरी, 2003

उप राष्ट्रपति के सम्मान में आयोजित भोज का लुत्फ उठाया विशिष्टजनों ने

निज प्रतिनिधि, वाराणसी

उप राष्ट्रपति श्री भैरो सिंह शेखावत के सम्मान में आयोजित रात्रिभोज में राजनेताओं, शिक्षाविदों, व्यवसायियों समेत हर क्षेत्र के विशिष्टजनों ने स्वादिष्ट व्यंजनों का भरपूर लुत्फ उठाया।

■ उ.प्र. व राजस्थान के राज्यपाल समेत प्रमुख शिक्षाविदों व समाजसेवियों का जमावड़ा

संकटमोचन मार्ग स्थित रामेश्वरम वाटिका में आयोजित रात्रिभोज में श्री शेखावत रात्रि 9.40 पहुंचे। उनके साथ कई विशिष्टजन भी थे। वाटिका के मुख्य द्वार पर कार्यक्रम के आयोजक डी.ए.वी. डिग्री कालेज के प्रबंधक डा.सत्यदेव सिंह समेत अन्य प्रबुद्धजनों ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर उप राष्ट्रपति समेत सभी विशिष्ट जनों ने मिलन कैटरर के नवल कपूरिया की देखरेख में किये गये 42 प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों का आनन्द उठाया। उप राष्ट्रपति वहां पर लगभग सवा घंटे तक रहे। उप राष्ट्रपति के साथ भोज समारोह में शामिल होने वालों में प्रमुख उत्तर प्रदेश के राज्यपाल प्रो.विष्णुकांत शास्त्री, राजस्थान के राज्यपाल जस्टिस अंशुमान सिंह, भाजपा के प्रदेश प्रभारी सांसद पं.कलराज मिश्र,प्रदेश के कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्री श्यामदेव रायचौधरी, तबला सम्राट पद्मविभूषण पं.किशन महाराज,महावीर अमरनाथ यादव, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.पी.रामचन्द्र राव, पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एन.सी.गौतम, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो.रामजनम सिंह, आचार्य नरेन्द्रदेव कृषि विश्वविद्यालय, फैजाबाद के कुलपति प्रो.बी.बी.सिंह, तिब्बती उच्च शिक्षा संस्थान के निदेशक नवांग समतेन, आयुर्वेद विश्वविद्यालय राजस्थान के कुलपति प्रो.रामहर्ष सिंह, मुफ्ति-ए-शहर मौलाना बातिन नोमानी, एन.सी.आर.टी. के निदेशक जी.पी.एस.राजपूत,दैनिक जागरण के स्थानीय सम्पादक व निदेशक श्री वीरेन्द्र कुमार, गांडीव के संपादक डा.राजीव अरोड़ा, हिन्दुस्तान के स्थानीय सम्पादक शशांक शेखर त्रिपाठी, रामनगर इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष आर.सी.चौधरी, काशी विद्यापीठ पत्रकारिता संस्थान के निदेशक प्रो.राममोहन पाठक, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष प्रो.बल्देव राज गुप्ता, बसपा नेता अरविन्द त्रिपाठी, युवक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष डा.दयाशंकर मिश्रा दयालु, शहर अध्यक्ष प्रवीण सिंह बब्लु, प्रदेश महासचिव अरविन्द मिश्रा, परमहंस सिंह, भाजपानेत्री डा.वीणा पाण्डेय, रवीन्द्र जायसवाल, बुनकर नेता यासीन अंसारी, बनारस बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष शैलेश सिंह वर्तमान अध्यक्ष प्रभु नारायण सिंह, डा.सामरिया, डा.अजय खन्ना, डा.टीना सिंह, प्रमुख व्यवसायी पीताम्बर अग्रवाल, अरुण बंसल, पम्मी व अजय सिंह शिवजी समेत अन्य विशिष्टजन शामिल थे।

■ उपराष्ट्रपति को स्मृति चिह्न प्रदान करते लोग। जागरण

महामहिम को खूब भाती है बनारस की कला

बीएचयू प्रवास में दिखा अपनापन, कई लोगों ने की मुलाकात

कार्यालय संवाददाता वाराणसी

बीएचयू प्रवास के दौरान राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल ने खूब अपनापन दिखाया। महामना के परिसर के प्रवास में उन्हें घर जैसा माहौल मिला। शहर के कुछ खास लोगों से अलग-अलग मुलाकात में उन्होंने इसका बखूबी इजहार किया। बहुत देर तक पुरानी यादों में खो गयीं और कहा भी बार-बार बीएचयू आने का मन करता है।

श्रीमती प्रतिभा पाटिल तीसरी दफा बीएचयू के एलडी गेस्ट हाउस में रुकी हैं। 90 के दशक में आयी थीं तब उन्हें पारिवारिक उत्सव के लिए खरीदारी करनी थी। महाराष्ट्र की सांसद थीं और बीएचयू के रजिस्ट्रार रहे आरसीपी सिन्हा की गेस्ट थीं। बनारसी साड़ियों की खास खरीदारी करने आयी थीं। दूसरी बार राज्यपाल के रूप में यहां आयी थीं और संयोग यह कि अब देश की सर्वोच्च पद पर रहते हुए बीएचयू के इसी गेस्ट हाउस में आने का मौका मिला। दीक्षांत समारोह के बाद कुछ खास लोगों से मुलाकात के क्षण अविस्मरणीय थे। पूर्व रजिस्ट्रार श्री सिन्हा के साथ काफी बातें हुईं। बनारस की पारंपरिक कलाओं पर खास चर्चा हुई। राकेश सिन्हा उनकी पत्नी डॉ नमिता सिन्हा ने बनारस के उत्थान पर महामहिम का ध्यान खींचा। डीएवी की छात्रा अनुष्का, कार्तिक से उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के रीडर डॉ अवधेश सिंह, कला प्रकाश के अध्यक्ष अशोक कपूर, डॉ श्रीमती इंदु सिंह ने भी महामहिम से मुलाकात की। उन्होंने बनारस में खास तौर पर डिजाइन की गयी शाल भेंट की तो श्रीमती पाटिल के मुंह से बरबस ही निकला कि यहां की कला अद्भुत है। डॉ सिंह ने अपनी पुस्तक 'भूषण का काव्यत्व एवं आचार्यत्व' भेंट की। साहित्यकार डॉ जितेंद्र मिश्र, कवि डॉ श्रीकृष्ण तिवारी समेत कई अन्य विशिष्टजनों ने महामहिम से काशी की संस्कृति, साहित्य पर चर्चा की। पूर्व काशी नरेश कुंवर अनंतनारायण सिंह, डॉ एके सिंह ने भी श्रीमती पाटिल से मुलाकात की।

चौपाटी
डिटर्जेंट पाउडर व केक
फोन : 0512-2235190, मो. : 09918853663

थाली में मूंग हलवा और केसरिया दूध

बीएचयू के चांसलर डॉ कर्ण सिंह की ओर से महामहिम के सम्मान में बीएचयू के एलडी गेस्ट हाउस में रात्रि भोज दिया गया। महामहिम के परिवार के सदस्यों के साथ बीएचयू के कुलपति व प्रशासनिक अफसर भोज में शामिल थे। सूत्रों के अनुसार खाने में होटल ताज का इंतजाम था, लेकिन शहर के मशहूर मिलन कैटरर्स को खास तौर पर शामिल किया गया था। खाने में राजमा, चावल, चपाती और कढ़ाई पनीर पसंद की गयी, पर मूंग का हलवा और केसरिया दूध महामहिम को खूब पसंद आया।

अलग रंग में ही दिखी सड़क

बीएचयू में राष्ट्रपति की मौजूदगी के बावजूद लंका इलाके में आम लोगों के आने-जाने पर रोक नहीं थी। खास यह कि कहीं ट्रैफिक समस्या भी नजर नहीं आयी। लोगों के लिए यह आश्चर्य का विषय था। वही सड़क, वही रास्ते, लेकिन सब कुछ बदला-बदला सा। लोगों की सहज टिप्पणी रही कि काश! प्रशासन रोज ही ऐसी चुस्ती दिखाता, तो शहर में ट्रैफिक समस्या ही नहीं रहती। दरअसल, राष्ट्रपति के आगमन के मद्देनजर रथयात्रा-कमच्छा मार्ग के साथ ही रवीन्द्रपुरी मार्ग चमाचम कर दिया गया था। सड़क से ठेले-खोमचे गायब थे। रोजाना तंग गली जैसी लगने वाली सड़क जैसे एकाएक चौड़ी हो गयी थी।

चार घंटे घर से न निकलना ही मुनासिब

राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल रविवार को पूर्वाह्न 9 बजे श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचेंगी और घंटे भर पूजन के बाद बीएचयू वापस होंगी। इस दौरान बीएचयू से मंदिर तक के रास्ते पर यातायात बंद रहेगा। सिर्फ स्कूली छात्र-छात्राओं को आने-जाने की छूट होगी, वह भी परीक्षा प्रवेशपत्र दिखाने पर। यातायात प्रतिबंध सुबह 7.30 से ही लागू हो जाएगा और महामहिम के बीएचयू वापस होने तक प्रभावी रहेगा। अच्छा होगा कि लोग 3-4 घंटे तक इधर न फटकें। राष्ट्रपति दर्शन-पूजन के बाद पुनः बीएचयू पहुंचेंगी और वहां से हेलीकाप्टर द्वारा बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचकर दिल्ली रवाना हो जाएंगी।

हो जाइये अलर्ट
जनजीवन से जुड़ी समस्याओं की जानकारी

B.H.U Entrance 2009
B.Ed, B.Sc
645

समधी से मिले समधी, खाया बनारसी पान

वाराणसी : महामहिम के साथ आए उनके पति डॉ. देवी सिंह शेखावत कुछ क्षण बीएचयू के एलडी गेस्ट हाउस में ठहरने के बाद गुरुधाम स्थित अपने समधी (डॉ. विजय सिंह) के आवास पहुंच गए। वहां पहुंचने पर उनका स्वागत समधन श्रीमती शीला सिंह ने विधिवत आरती करके किया। डॉ. शेखावत की फ्लीट अपराह्न 1.40 बजे गुरुधाम पहुंची।

राष्ट्रपति के पति डॉ. देवी सिंह शेखावत का स्वागत करते डॉ. विजय सिंह।

समधी के घर डॉ. शेखावत की खातिरदारी की शुरुआत छाछ व आम का पन्ना पिलाकर की गई फिर उन्होंने मूंग की पकौड़ी व चिना मटर कोपस का स्वाद चखा। समधी के घर पर दो घंटे ठहरने के दौरान उन्होंने लंच भी किया। खाने के बाद उन्होंने बनारस का मशहूर स्पेशल रस मलाई व मलाई पिस्ता संग कुल्फी फालूदा के स्वाद का लुत्फ उठाया। अंत में मशहूर बनारसी पान भी खाया जिसकी तारीफ करते नहीं थके। उनके प्रवास के दौरान गुरुधाम कॉलोनी में सुरक्षा व्यवस्था काफी तगड़ी रही। विदित हो कि डॉ. विजय सिंह की पुत्री ऋतु का विवाह जलगांव (महाराष्ट्र) में रहने वाले राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल के भाई के लड़के रणधीर सिंह से लगभग दस वर्ष पूर्व हुई थी।

समधी के घर से आया भोजन

वाराणसी : बीएचयू पहुंचने पर महामहिम श्रीमती प्रतिभा पाटिल ने शुक्रवार को एलडी गेस्ट हाउस में दोपहर के भोजन में अपने समधी के यहां से आए पकवानों का लुत्फ उठाया। गुरुधाम कॉलोनी में रहने वाले उनके समधी डॉ. विजय सिंह ने विशेष तौर पर शहर के एक मशहूर कैटरर की देखरेख में अपने आवास पर खाना तैयार कराया था।

खाने को चखकर और जांच कराकर महामहिम को परोसा गया। उनके लिए खास तौर से खाने में स्टीम राइस, दाल पंच मेल, कढ़ी-पकौड़ी, पनीर मेथी मलाई, लौकी का कोफ्ता, भिंडी कुरमुरी, दही बुंदिया, तवा मिस्सी, तवा फुल्का, बटर नान व लच्छा पराठा सहित मिष्ठान में स्पेशल रस मलाई, पिस्ता सैंडवीच व कुल्फी फालूदा खिलाया गया। खाने के बाद महामहिम ने खाने की तारीफ की। दूसरी ओर महामहिम के पति डॉ. देवी सिंह शेखावत ने गुरुधाम स्थित डॉ. विजय के आवास पर ही दोपहर का भोजन किया।

महामहिम के लिए बनारसी मिठाई व कचौड़ी-

कार्यालय संवाददाता वाराणसी

राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल के साथ उनके पति डॉ देवी सिंह शेखावत भी होंगे। महामहिम के साथ कुल 40 लोगों की टीम आ रही है। श्रीमती प्रतिभा पाटिल को शाकाहारी भोजन पसंद है। अंडा रहित शाकाहारी भोजन में राजस्थानी टेस्ट तो होगा, खास बनारसी मिठाइयां भी परोसी जाएंगी। दोपहर व रात के खाने में चपाती, चावल-दाल,सब्जी के साथ कढ़ी होगी और सुबह के नाश्ते में बनारसी कचौड़ी व केसर वाली जलेबी का खास इंतजाम किया जा रहा है। बनारसी मलइयो भी पेश होगा।

सूत्रों के अनुसार महामहिम के खाने का प्रबंध होटल ताज ग्रुप कर रहा है पर स्थानीय स्तर के मशहूर मिलन कैटरर्स का सहयोग भी लिया जाएगा। राष्ट्रपति भवन से खाने का मीनू आ गया है, इसी लिहाज से एलडी गेस्ट हाउस में खाने की व्यवस्था की जा रही है। दो दिवसीय दौरे के चलते बीएचयू के एलडी गेस्ट हाउस में राष्ट्रपति भवन का लघु रूप दिखेगा। पूरी संचार व्यवस्था से लैस राष्ट्रपति भवन के तमाम शीर्ष अफसर पहले ही पहुंच जाएंगे। जिले के आला अफसरों ने शुक्रवार को बाबतपुर से बीएचयू तक रिहर्सल कर राष्ट्रपति के 13 मार्च के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों को लगभग अंतिम रूप दिया। अगला रिहर्सल 11 मार्च को होगा। आईजी गुरदर्शन सिंह, डीएम एके उपाध्याय, डीआईजी पीसी मीना, वीडीए के वीसी आरपी गोस्वामी समेत अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अफसरों ने बाबतपुर एयरपोर्ट से बीएचयू एवं श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर तक का जायजा लिया। प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत 13 मार्च को दोपहर में यहां पहुंचने के बाद राष्ट्रपति शाम को बीएचयू के दीक्षांत समारोह में भाग लेंगी। अगले दिन सुबह श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में सपरिवार विधिवत दर्शन-पूजन करेंगी और घंटे भर मंदिर में रहेंगी। और बाबा का विशेष रुद्राभिषेक भी करेंगी।

- राजस्थानी टेस्ट का शुद्ध शाकाहारी भोजन पसंद है श्रीमती पाटिल को
- पति डॉ देवी सिंह शेखावत संग विश्वनाथ मंदिर में करेंगी दर्शन-पूजन
- दो दिन राष्ट्रपति भवन सरीखा दिखेगा बीएचयू का एलडी गेस्ट हाउस

बीएचयू में 7 से 14 तक छुट्टियां रद्द : 91वें दीक्षांत समारोह के चलते बीएचयू के शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की छुट्टी रद्द कर दी गयी है। डिप्टी रजिस्ट्रार (जीएडी) के अनुसार 7 से 14 मार्च तक सभी के अवकाश रद्द रहेंगे। आपात स्थिति में कुलपति के आदेश पर ही अवकाश मिलेगा। कर्मचारी व शिक्षक अपने साथ पत्नी को दीक्षांत समारोह में लाना चाहते हैं तो विधि प्रशासन से विशेष अनुमति पत्र हासिल करना होगा। इसके लिए 7 मार्च तक दीक्षांत समारोह के इन्वीटेशन कमेटी के समन्वयक से सम्पर्क करना होगा। दीक्षांत समारोह में अपराह्न 4.45 तक प्रवेश दिया जायेगा, इसके बाद प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया जायेगा।

राष्ट्रपति के लिए आधा दर्जन बुलेटप्रूफ कार : राष्ट्रपति के आगमन पर अभेद्य सुरक्षा इंतजाम किया जा रहा है। महामहिम के लिए खास तौर पर आधा दर्जन बुलेटप्रूफ कार मंगायी जा रही है।

बाबतपुर एयरपोर्ट होगा सील : राष्ट्रपति के आगमन पर 13 मार्च को दोपहर में बाबतपुर एयरपोर्ट के टर्मिनल भवन का राष्ट्रीय कक्ष सील कर दिया जाएगा। बाबतपुर संवाददाता के अनुसार राष्ट्रपति के आवागमन के वक्त एयर ट्रैफिक मार्ग भी सील रहेगा। इस दौरान किसी अन्य विमान को आकाश मार्ग में नहीं घुसने दिया जाएगा। राष्ट्रपति के आगमन के मद्देनजर वीवीआईपी कक्ष को सजाया-संवारा जा रहा है।

बीएचयू हवाई पट्टी का निरीक्षण करते जिले के आला अफसर

13 व 14 को यातायात प्रतिबंधित

वाराणसी। बीएचयू का 91वां दीक्षांत समारोह 13 मार्च को एम्फीथियेटर मैदान में आयोजित है। दीक्षांत भाषण महामहिम राष्ट्रपति डा. प्रतिभा देवी सिंह पाटिल देंगी। इस दौरान परिसर में सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए गए हैं। एक ओर जिला प्रशासन सुरक्षातंत्र और आयोजन स्थल का जायजा ले रहा है वहीं विधि प्रशासन भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम में जुटा है। एम्फीथियेटर मैदान में 32 गुणे 64 का पक्का मंच बनाया जा रहा है।

करीब साढ़े 5 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था वाटरप्रूफ पंडाल में की जा रही है। समारोह के पंडाल, सिटिंग एंड डेकोरेशन कमेटी के चेयरमैन प्रो. जीएस यादव ने बताया कि मंच के पास दो स्वाई सिक्स काटेज बन रहे हैं। समारोह के तहत 15 संकाय एवं तीन संस्थानों सहित विधि से सम्बद्ध आर्य महिला डिग्री कालेज, वसंत कन्या महाविद्यालय, वसंता महिला महाविद्यालय, डीएवी पीजी कालेज के छात्रों को डिग्री दी जाएगी।

मिनट टू मिनट

सेना के विशेष विमान से बाबतपुर एयरपोर्ट : 13 मार्च दोपहर 12.20 बजे। हेलीकाप्टर से बीएचयू हेलीपैड 12.50 बजे। 1.00 बजे एलडी गेस्ट हाउस। लगभग साढ़े चार घंटे का विश्राम व लंच। शाम 5.35 बीएचयू एम्फीथियेटर मैदान।'8.50 तक दीक्षांत समारोह में भाग लेंगी। रात्रि विश्राम एलडी गेस्ट हाउस। 14 मार्च को पूर्वाह्न 9.45 पर सड़क मार्ग से श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर प्रस्थान। मंदिर में दर्शन-पूजन के पश्चात 11.15 बजे बीएचयू हेलीपैड वापस। हेलीकाप्टर से बाबतपुर एयरपोर्ट और वहां से 12 बजे दिल्ली के लिए प्रस्थान।

रंगभरी एकादशी

बीएचयू में होली की उमंग, उड़े गुलाल

जरूर खेल

बाबा काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए मंदिर पहुंची राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल का हर हर महादेव का उद्घोष कर स्वागत करते नगरवासी।

देश की सुख-समृद्धि व शांति के लिए राष्ट्रपति ने किया बाबा का रुद्राभिषेक

बनारस की मशहूर मलइयो, कचौड़ी जलेबी खाकर दिल्ली गयीं श्रीमती प्रतिभा पाटिल

(विकास पाठक)

काशी, १४मार्च। राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल ने आज बाबा विश्वनाथ का विधिवत पूजन व रुद्राभिषेक कर देश की सुख समृद्धि व शांति की कामना की। बाबा के दरबार में हाजिरी के बाद राष्ट्रपति के चेहरे पर सुकून व कांति झलक रही थी। बनारसी कचौड़ी, जलेबी, मलइयो का स्वाद चख राष्ट्रपति दोपहर में विमान से दिल्ली लौट गयीं। कल शुक्रवार की दोपहर काशी पधारीं राष्ट्रपति श्रीमती पाटिल आज सुबह ९बजे बाबा विश्वनाथ का पूजन करने के लिये पूरे काफिले के साथ ज्ञानवापी पहुंचीं। ज्ञानवापी प्रांगण पर विश्वनाथ मंदिर न्यास के अध्यक्ष आचार्य हरिहर कृपालु त्रिपाठी, सदस्य पं० चंद्रमौलि उपाध्याय व राजकृष्ण मालवीय ने उनकी अगवानी की और मंत्रोच्चार के बीच पूर्ण कुंभ का स्पर्श कराकर स्वागत किया। उन्हें बुके भी भेंट किया गया। सीढ़ियां उतरकर ज्ञानवापी परिसर में पहुंचते ही महामहिम के कदम ठिठक गये। उन्हें ज्ञानवापी में स्थापित प्राचीन नंदी के बारे में सुनी कोई कहानी याद आ गयी और उन्होंने नंदी को देखने की इच्छा व्यक्त की। ज्ञानवापी मंडप में आकर उन्होंने विशाल नंदी की प्रतिमा को देखा और फिर लाइकेश्वर मंदिर परिसर में आईं। न्यास के सदस्य पं.चन्द्रमौलि उपाध्याय ने इस प्राचीन मंदिर के जीर्णोद्धार के बारे में जानकारी देने के साथ ही बताया कि आसपास के और भवनों को लेकर मंदिर विस्तार की योजना पर काम चल रहा है।इस जानकारी से प्रसन्न महामहिम ने कहा कि पहले जब बाबा के मंदिर में आए थे,तब परिसर काफी संकरा था।अब थोड़ा ठीक हुआ है,लेकिन काम और तेजी से होना चाहिये। महामहिम के मंदिर में आने के समय नौबतखाने में शहनाई पर मंगल ध्वनि गूंज रही थी। विश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह में पति डा० देवी सिंह के साथ पहुंचीं श्रीमती पाटिल ने देश में सुख-समृद्धि व शांति के लिये संकल्प लेकर बाबा का पूजन और २१ किलो दूध से विधिवत षडांग रुद्राभिषेक किया। पूजन में उन्होंने कोई हड़बड़ी नहीं दिखायी। इसके चलते एक घंटे का पूजन कार्यक्रम डेढ़ घंटे तक चला। मंदिर की ओर से न्यास के सदस्य राजकृष्ण मालवीय व आचार्य देवी प्रसाद के साथ पंडित श्रीकांत मिश्र, संजय पांडेय, राजेश पाठक व नमदिकर द्वारा विधिवत कराये गये रुद्राभिषेक से श्रीमती पाटिल व उनके पति अभिभूत हो गये।इस दौरान मंदिर न्यास के अध्यक्ष व सदस्य गर्भगृह में मौजूद रहे। राष्ट्रपति के साथ आया ३२सदस्यीय दल गर्भगृह के बाहर बैठकर पूजन में शामिल हुआ। हरे रंग की गोल्डन बार्डर वाली साड़ी पहने सिर पर पल्लू लिये श्रीमती पाटिल व उनके पति गर्भगृह से बाहर निकले तो उनके चेहरे पर शांति की सुखद अनुभूति की झलक दिखायी पड़ी। मंदिर परिसर में स्थापित मां पार्वती व मां अन्नपूर्णा की प्रतिमाओं के साथ ही शिखर दर्शन भी उन्होंने किया। मंदिर न्यास के अध्यक्ष हरिहर कृपालु त्रिपाठी व पंडित चंद्रमौलि उपाध्याय ने महामहिम को पूजन में चढ़ायी गयी बनारसी साड़ी व बाबा का प्रसाद भेंट किया। उन्हें रक्षा सूत्र भी बांधा गया। उनके साथ आए सभी लोगों को रुद्राक्ष की माला व प्रसाद मंदिर की ओर से दिया गया। महामहिम के पति ने मंदिर में पूजन के लिये २१सौ रुपये दिये। बाबा का दर्शन कर श्रीमती पाटिल पूर्वान्ह १०.५० बजे ज्ञानवापी से हिंदू विश्व विद्यालय परिसर के लिये रवाना हो गयीं। जाते समय ज्ञानवापी मोड़ पर पहुंचीं प्रसन्नचित राष्ट्रपति ने कहा कि 'बाबा का दर्शन कर मैं धन्य हो गयी।' राष्ट्रपति के आने के चलते विश्वनाथ मंदिर में आम श्रद्धालुओं पर सुबह ७बजे से लगी रोक ११बजे के बाद हटी। हिंदू विश्वविद्यालय की लक्ष्मण दास अतिथि गृह पहुंचीं राष्ट्रपति ने मशहूर मिलन कैटरर्स द्वारा बनाये गये नाश्ते में बनारस की मशहूर मलइयो और कचौड़ी-जलेबी खायी। इसके साथ ही कार्नफ्लेक्स दूध व फल भी रहा। दक्षिण भारत का मशहूर व्यंजन फालूदा पायसम (खीर) भी उन्हें परोसा गया, जिसे बड़े चाव से उन्होंने खाया। जलपान की दोपहर व रात्रि भोज में भी मिलन कैटरर्स के एक से बढ़कर एक स्वादिष्ट व्यंजनों को राष्ट्रपति ने सराहा। दोपहर पौने बारह बजे राष्ट्रपति व उनके साथ आए विशिष्ट जन विश्वविद्यालय हेलीपैड से हेलीकाप्टर द्वारा बाबतपुर हवाई अड्डे के लिये रवाना हो गये। हवाई अड्डे से सेना के विमान से राष्ट्रपति दिल्ली लौट गयीं। राष्ट्रपति के विमान ने दोपहर १२.०५ बजे दिल्ली के लिये उड़ान भरी। राष्ट्रपति के साथ सुरक्षा अधिकारियों के साथ ही हिंदू विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डा० कर्णसिंह के अलावा २५सदस्यीय दल भी वापस गया। **विमान विलंब से आए-** हमारे बाबतपुर संवाददाता के अनुसार राष्ट्रपति के दिल्ली प्रस्थान करने को लेकर यहां आने वाले जेट व एयर इंडिया के विमान एक घंटे विलंब से पहुंचे।पूर्वान्ह ११.२० बजे यहां आने वाला एयरइंडिया की उड़ान संख्या आईसी ४०६ के अपने निर्धारित समय से बाबतपुर पहुंचने के बाद एटीसी अधिकारियों ने उसे लैंडिंग की अनुमति प्रदान नहीं की।उड़ान संख्या ७२४ को दिल्ली में ही आधे घंटे तक रोक लिया गया था।

आचार संहिता के उल्लघंन की नोटिस का जवाब दिया मुलायम ने

लखनऊ १४ मार्च,वार्ता. उत्तरप्रदेश के इटावा में होली के दिन नोट बांटने पर हुये आचार संहिता के उल्लघंन की निर्वाचन आयोग की नोटिस का जवाब समाजवादी पार्टी अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव ने दे दिया है और उसके साथ दो सीडी भी सौंपी है।श्री यादव ने आज यहां कहा कि निर्वाचन आयोग की नोटिस का जवाब कल ही दे दिया गया है और उन्हें उम्मीद है कि उनके जवाब से आयोग संतुष्ट होगा। उन्होंने कहा कि पूरी बात गैरजरूरी थी और इससे उनकी पार्टी को प्रचार ही मिल गया है। इस बीच राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि इटावा के जिला प्रशासन को जवाब मिल गया है और उसे मुख्य निर्वाचन आयुक्त को भेज दिया गया है। निर्वाचन आयोग पूरी रिपोर्ट देखने के बाद ही अपना निर्णय देगा।गौरतलब है कि सपा अध्यक्ष को चुनाव आचार संहिता के पैरा १/४/ तथा भारतीय दंड विधान की धारा १७१ बी के तहत नोटिस जारी की गयी थी।

● उज्जैन, १४ मार्च-वार्ता। मध्यप्रदेश उज्जैन जिले के महिदपुर में स्थिति सामान्य है लेकिन कर्फ्यू जारी है। विगत दो दिन की तरह आज भी शाम को केवल महिलाओं के लिये दो घंटे की कर्फ्यू में ढील दी गयी।

बाबा का दर्शन करने पहुंची राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल व उनके पति डा.देवी सिंह शेखावत का ज्ञानवापी मोड़ पर स्वागत करते मंदिर समिति के सदस्य

व इस अवसर पर पूरी तरह यातायात प्रतिबंधित करने के चलते बेरीकेटिंग में फंसी छात्राएं। (छाया-चंदन रुपानी)